Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

ॐ

6·1·2012.
4.Am.

सानीध्य

सभी पुण्यआत्माओ को मेरा नमस्कार - - - -

आज से "गहनध्यान अनुष्ठान" का प्रांरभ हुआ है। गुरुशक्तीया तो सदैव हमारे साथ ही होती है। लेकीन हमे उसका कभी एहसास नही होता है। वह बहुत पवीत्र एव "सदैव" और "सतत" शुद्ध होती है। और हमारा चित्त शुद्ध स्थिती मे नही होता है। और इसी लिये गुरुशक्तीया साथ होने पर भी अनुभव नही होती है।

गुरुशक्तीयो का शुद्ध और पवीत्र "एहसास" का "सानीध्य" "सदैव" और "सतत" अनुभव हो इसी के लिये यह "गहन ध्यान अनुष्ठान" का आयोजन गुरुशक्तीयो ने किया है। लेकीन उसके लिये हमे भी अपने चित्त को "शुद्ध" व "पवीत्र" रखना होगा।

PTO

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

और वह तभी रहेगा जब आप 45 दिन के अनुष्ठान मे दुसरो मे चित्त नहीं डालेंगे। "पुराने विचार" नही करेंगे भविष्य की "चिन्ता" नही करेंगे इन 45 दिनो मे आपका ध्यान केवल और केवल "गुरुचरण" पर ही होगा। और "सतत" होगा और "सदैव" होगा।

"सद्गुरु" आपके ह्रदय के व्दार पर खडा है, बस आप ह्रदय का व्दार खोल कर अनुभव करो। तभी आप इस गहनध्यान अनुष्ठान मे शामिल होंगे, सारा आप का ध्यान आप को क्या दिख रहा है, उधर नही क्या "अनुभव" हो रहा है, इधर होना चाहिये, क्योकी जो दिखता है। वह स्थाई नही है, शाश्वत नही है।

इन 45 दिनो मे गहन ध्यान मे आयी "अनुभुतीया" आप की प्रगती के नये व्दार खोलेगी।

PTO

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre,Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30,Siddh Co-op.Hsg.Society,
Siddharth Nagar No.2,Goregaon (West),
Mumbai - 400 062.• Phone :022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

"चित्त शुद्धी" का सबसे आसान तरीका है। "प्रार्थना" "मंगलमुर्ती" तो एक माध्यम है। वास्तव मे इस माध्यम से "कच्छ" की "आध्यात्मीक प्रगती" हो इसका प्रयास "गुरुशक्तीया" कर रही है। गुरुशक्तीया कर रही है। तो वह होगा ही हमे "प्रार्थना" के माध्यम से उसमे शामिल होना है। "आध्यात्मीक प्रगती" मे ही "सर्वांगीण विकास" होता है। आओ चले हम सब मील कर "कच्छ" के लीये सामुहीक प्रार्थना करे। आप सभी को खुब खुब आर्शिवाद

आपका
बाबास्वामी
6/1/2012
शुक्रवार 4.30AM